कार्यालय पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही

सी.यू.जी. – 9454400307, दूरभाष- 05414-250236, ई-मेंल- spsrn-up@nic.in

प्रेस-नोट, जनपद भदोही

दिनांक- 21.08.2025

श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा श्री शुभम अग्रवाल,* अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम द्वारा दिनांक 20.10.2025 को 07 नफर अभ्यस्थ अन्तर्जनपदीय संगठित साईबर गिरोह को गिरफ्तार करने सफलता प्राप्त हुई। इनके विरुद्ध 100 से अधिक एनसीआरपी शिकायतें है इनके द्वारा 700 से अधिक फर्जी खाते संचालित किये जा रहे है तथा इनके द्वारा 5 करोड़ से अधिक धनराशि का फ्राड किया गया है।

साईबर फ्राड अपराधियों का नेटवर्क चाइना व हांगकांग से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार साइबर ठगों के मोबाइल में साइबर अपराध से संबंधित एपीके फाइल, कई ऐप, लिंक, ह्वाट्सप व टेलीग्राम चैट्स आदि पाया गया।

गिरफ्तारी/ बरामदगी का विवरण-

श्री अभिमन्यु मांगलिक,पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा साइबर अपराधों से निपटने की रणनीति बनाने, जांच की समीक्षा कर साइबर फ्रॉड करने वाले साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए निर्देश के क्रम में श्री शुभम अग्रवाल,अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम द्वारा 07 नफर अभ्यस्थ साइबर फ्रॉड 1.अंकुश सोनी पुत्र राजू सोनी निवासी मंसूराबाद थाना नबाबगंज जनपद प्रयागराज 2.कमलेश कुमार पुत्र बृजलाल बिंद निवासी पूरेनगरी थाना ऊंज जनपद भदोही 3. शनि सिंह पुत्र धनराज सिंह निवासी ग्राम नवलपुर जखांव थाना गोपीगंज जनपद भदोही 4. अवधेश कुमार चौधरी उर्फ दीपू उर्प दीपक पुत्र रामदुलारे चौधरी निवासी हाजीपट्टी नारायणपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर 5. राहुल पासी पुत्र चंद्रबली निवासी भिदिउरा थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही 6. शहजाद पुत्र इशरार अहमद निवासी वार्ड नंबर 12 पूरेगुलाब थाना गोपीगंज जनपद भदोही 7. शोएब अंसारी उर्फ राजा पुत्र मुस्ताक अंसारी निवासी बड़ागाँव थाना बड़ागाँव जनपद वाराणसी हाल पता भुड़की थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही को दिनांक घटना 20.10.2025 व समय 22.30 बजे व घटना स्थल गोपीगंज बाजार ओवरब्रिज के नीचे पुल के पूर्वी छोर पिलर नंबर 52 के सामने बस स्टैण्ड वेटिंग एरिया के पास से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तार साइबर ठगों के मोबाइल में साइबर

अपराध से संबंधित एपीके फाइल, कई ऐप, लिंक, ह्वाट्सप व टेलीग्राम चैट्स आदि पाया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 10 अदद मोबाइल (सैमसंग,रियल मी,ओप्पो,आईफोन ,आई क्यू), 10 अदद डेबिट/क्रेडिट कार्ड (एयरटेल,आईसीआसीआई,एक्सिस,पीएनबी) एटीएम 01 अदद ड्राइबिंग लाइसेंस 06 अदद आधार कार्ड , 01 अदद पासबुक एवं अभियुक्तगणों से बरामद नकद 5000/- रूपये ,01 अदद चार पहिया वाहन व 01 अदद मोटर साइकिल बरामद किया गया। तथा चाईना व हांगकांग से सम्बन्धित चैटलाग्स,टेलीग्राम आईडी तथा मैलेशियस एपीके की प्रति बरामद हुई है। साक्ष्य सूत्र मल्टीपल एनसीआपी/जेएमआईएस कम्पलेंट लिंक जिनका सम्बन्ध तमिलनाडु,तेलंगाना,केरला,कर्नाटका,गुजरात,राजस्थान और बिहार से जुड़े है। इनके ह्वाट्सप व टेलीग्राम चैट अंतर्राष्ट्रीय आईएसडी नंबरो के है। इनके बैंक खाता और क्रिप्टों वालेट फ्राड तरीके से संचालित किये जा रहे है। उक्त गिरफ्तारी बरामदगी के संबंध में साइबर क्राइम थाना पर मु.अ.स. 46/25 धारा 318(4)/317(4)/319(2)/338/336(3)/340(2) बीएनएस व 66सी, 66 डी आईटी एक्ट अभियोग पंजीकृत कर

आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पूछताछ का विवरण-

अंकुश, कमलेश व सभी ने बताया कि हम लोगों का एक ग्रुप (गैंग) है जिसमें हम लोग टेलीग्राम के माध्यम से चाइना व हांगकांग के लोगों से जुड़े हुये हैं। लोगों से आईडी पासवर्ड केवाईसी डाक्यूमेण्ट प्राप्त करके फर्जी ट्रेडिंग एप पर ट्रेडिंग करवाते हैं जिसमें इनवेस्टर द्वारा लगाये गये पैसों को हम लोग अपने पास मौजूद विभिन्न खातो में स्थानान्तरित कर लेते है। फिर उन सभी पैसों को गेमिंग में लगा देते हैं तथा कुछ का यूएसडीटी खरीद बेंच लेते हैं। हम लोगों के द्वारा क्रेडिट

कार्ड का भी फ्राड किया जाता है जिसमें लोगों को फोन करके खुद को क्रेडिट कार्ड का कर्मचारी बताकर उनको भ्रमित कर उनसे क्रेडिट कार्ड का डिटेल व ओटीपी प्राप्त कर लेते हैं फिर अपने साथियों को शेयर करते हैं जिसका वो लोग अमेजन पे वैलेट बनाकर सारा पैसा वैलेट में जमा कर लेते हैं फिर उस पैसे को यूपीआई के माध्यम से सीएससी सेंटर धारकों के एकाउण्ट में ट्रांसफर कर देते हैं तथा उनको कुछ कमीशन देकर उनसे कैश प्राप्त कर लेते हैं।

हम लोग अपनी पहचान छिपाने के लिये आधार कार्ड में नाम बदल देते हैं तथा किसी अन्य व्यक्ति के नंबर का उपयोग कर फर्जी ह्वाट्सप व टेलीग्राम आईडी चलाते हैं जिसमें किसी अन्य व्यक्ति का फोटो भी लगा देते हैं, ताकि हम लोगों को कोई पहचान न पाये। उपरोक्त कार्यवाही के उपरान्त सभी पकडे गए व्यक्तियों से अलग अलग व एक साथ पूछताछ करने पर बता रहे है की साहब हमलोग

बीडीजी बेटिंग एप, एल बैंक एप, जीवन एपीके फाइल, एसएमएस फारवर्डेड एपीके फाइल तथा फर्जी ट्रेडिंग ग्रुप के माध्यम से उनके साथ साइबर ठगी करते है, इस ठगी में फर्जी नाम पते के खाता खोलवाकर उन खातो के ऑनलाइन बैकिंग आईडी व पासवर्ड ATM व चेकबुक प्राप्त कर लेते है फिर उसमे फर्जी नाम पता के मोबाइल नम्बर लिंक करवाकर उन खातो का प्रयोग लोगो से ठगी करने में करते है। हम लोगो के पास तालशी से जो पैसा आप लोगो द्वारा बरामद किया गया वह फ्राड करने से प्राप्त पैसों में से बचा हुआ पैसा है। सुधांशु गुप्ता पुत्र पिन्टू उमर वैश्य निवासी बड़ागाँव थाना बड़ागाँव वाराणसी व अवधेश बिंद पुत्र राजनारायण जो ग्राम जखाँव थाना गोपीगंज भदोही का रहने वाला है जो अभी हम लोगो के साथ ही था आप लोगो की आने की जानकारी पाकर भाग गये आज हम लोग फ्राड करने वाले थे किन्तु उससे पहले आप लोगो ने हम लोगो को पकड़ लिया।

अपराध करने का तरीका - अभियुक्तों द्वारा साईबर अपराध निम्नलिखित तरीके से अन्जाम दिया जाता था।

1.इनके द्वारा इन्वेस्टमेंट/ट्रेडिंग के नाम पर व्हाट्सएप्प व टेलेग्राम पर जाब का प्रस्ताव दिया जाता है।

2.पीड़ितों को (फेंक एपीके ,लाईफ एपीके ,एसएमएस फारवर्डर ,बीडीजी गेमिंग एप्प) इंस्टाल करने हेतु भेजा जाता है।

3.साईबर अपराधियों द्वारा दूर रहकर ओटीपी व केवाईसी डाटा प्राप्त कर लिया जाता है।

4.इनके द्वारा अपने फर्जी खातें में यूपीआई व वालेट के माध्यम से पैसे टान्सफर कर लिया जाता है।

5.इनके द्वारा पैसों को क्रिप्टो,गेमिंग एप्प तथा सीएससी सेंटर के माध्यम से उपयोग में लाया जाता है।

6.इनकी पूरी गतिविधियाँ व्हाट्सएप्प व टेलीग्राम के माध्यम से की जाती है।

7.फर्जी सिम, क्लोन्ड आईडी तथा गुप्त बैंक खातों के माध्यम से ये अपनी पहचान छिपाते है।

उपरोक्त अभियुक्तों का पूरे योजना को अन्जाम देने के लिए निम्न तरीके से काम करते है-

1.अंकुश सोनी गैंग लीडर है जो टेलीग्राम, व्हाट्सएप्प को पीड़ितो को भेजता है।

2.कमलेश कुमार फर्जी खातों का मैनेजमेंट तथा प्राप्त फंडो को अलग-अलग स्थानों पर भेजता है।

3.शनि सिंह फर्जी टेलीग्राम आईडी @nayacarfone को आपरेट करता है जिससे क्रेडिट कार्ड सम्बन्धित फ्राड किया
जाता है।

4.अवधेश उर्फ दीपक फेंक आईडी, सिम तथा अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराता है।

5.राहुल पासी सीएससी आपरेटर है जो सीएससी से पैसे बाहर निकालने का सुविधा उपलब्ध कराता है।

6.शहजाद जो पीड़ितो का क्रेडिट कार्ड तथा ओटीपी उपलब्ध कराने में मदद करता है।

7.शोयब अंसारी डिजिटल परिसंपत्तियां तथा केवाईसी फ्राड का प्रबंधन करता है।

बैंक के माध्यम से लोगों का ओटीपी केवाईसी डाटा प्राप्त करकें पीड़ितों के बैंक एकाउंट से पैसे फर्जी खातों में ट्रांसफर कराकर पैसों की क्रिप्टों ट्रेडिंग व गेमिंग एप्स तथा सीएससी सेंटर के माध्यम से पैसो की निकासी कर लेते है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता-

1.अंकुश सोनी पुत्र राजू सोनी निवासी मंसूराबाद थाना नबाबगंज जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 30 वर्ष।

2.कमलेश कुमार पुत्र बृजलाल बिंद निवासी पूरेनगरी थाना ऊंज जनपद भदोही उम्र लगभग 35 वर्ष।

3.शनि सिंह पुत्र धनराज सिंह निवासी ग्राम नवलपुर जखांव थाना गोपीगंज जनपद भदोही उम्र लगभग 28 वर्ष।

4.अवधेश कुमार चौधरी उर्फ दीपू उर्प दीपक पुत्र रामदुलारे चौधरी निवासी हाजीपट्टी नारायणपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर उम्र लगभग 31 वर्ष।

5.राहुल पासी पुत्र चंद्रबली निवासी भिदिउरा थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही उम्र लगभग 22 वर्ष।

6.शहजाद पुत्र इशरार अहमद निवासी वार्ड नंबर 12 पूरेगुलाब थाना गोपीगंज जनपद भदोही उम्र लगभग 30 वर्ष।

7.शोएब अंसारी उर्फ राजा पुत्र मुस्ताक अंसारी निवासी बड़ागाँव थाना बड़ागाँव जनपद वाराणसी हाल पता भुड़की थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही उम्र लगभग 24 वर्ष।

वांछित अभियुक्तों का नाम पता-

1.सुधांशु गुप्ता पुत्र पिन्टू उमर वैश्य निवासी बड़ागाँव थाना बड़ागाँव जनपद वाराणसी

2.अवधेश बिंद पुत्र राजनारायण जो ग्राम जखाँव थाना गोपीगंज जनपद भदोही

गिरफ्तारी/ बरामदगी करने वाली टीम -

प्र0 निरीक्षक अश्वनी कुमार त्रिपाठी, निरीक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव, हे0का0 देवानन्द सिंह , का0 कन्हैया कुमार, का0 अभिषेक शुक्ला , का0 प्रभात चन्द्र त्रिपाठी , का0 नितेश सोनकर , का0 हरेन्द्र सिंह चालक व का0 चा0 अंकित कुमार साइबर क्राइम थाना जनपद भदोही